डेरू पे नाचूंगी आवै जोतराम की पेशी

डेरू पे नाचूंगी,
हे डेरू पै नाचूंगी,
आवै जोतराम की पेशी,
हे डेरू पै नाचूंगी।bd।

मेरी डटती कोन्या काया हो,
बाबा का रूप समाया हो,
मेरै भगती का रंग छाया हो,
हे डेरू पै नाचूंगी।bd।

छाई रोम रोम में मस्ती,
भारि जोतराम की हस्ती,
कोन्या भुली जावै भगती,
हे डेरू पै नाचूंगी।bd।

हे काया की थी मैं रोगण,
बणगी जोतराम की जोगण,
चाहे दुनियां लागो टोकण,
हे डेरू पै नाचूंगी।bd।

होरया संजय सिंहमार भी रंग में,
मनोज बेलरखा संग में,
होरया भगती आले ढंग में,
हे डेरू पै नाचूंगी।bd।

डेरू पे नाचूंगी,
हे डेरू पै नाचूंगी,
आवै जोतराम की पेशी,
हे डेरू पै नाचूंगी।bd।

गायक – मास्टर श्री मनोज बेलरखा जी।

+91 94165 14300
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लेखक – मास्टर श्री संजय सिंहमार जी।
+91 97282 27642
प्रेषक – संजीव टोहाना। 9896578391

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com